शास्त्रीय नृत्य (कथक)
बी.ए.प्रथम वर्ष–प्रथम प्रश्न–पत्र

इकाई–प्रथम

संगीतकला–प्रस्तावना एवं प्रकार,गायन,वादन एवं नृत्यकला का इतिहास–उत्पत्ति और विकास।

इकाई– द्वितीय

भारतीय शास्त्रीय नृत्यों के प्रकार–उत्पत्ति,विकास,प्रस्तुतिक्रम,वेशभूषा, संगतवाद्य प्रसिद्ध कलाकार।

इकाई–तृतीय

भारतीय संगीत में घराना पद्धति, गुरू–शिष्य परम्परा का महत्व।

इकाई–चतुर्थ

कथक नृत्य में व्यायाम,पढ़न्त और रियाज का महत्व, संगत की उपयोगिता, कथक नृत्य में प्रयुक्त वाद्यों का इतिहास, घराने व प्रसिद्ध कलाकारों का परिचय।

इकाई–पंचम

कथक नृत्य के विभिन्न तत्व मात्रा, विभाग, ताली–खली, सम आवर्तन,ठेका, हस्तक,तत्कार, आमद, तोड़ा, टुकड़ा,चक्करदार, परण, प्रिमलू, तिहाई, फरमाईशी चक्करदार, नवहक्का, रंगमंचकाटुकड़ा, नटवरीअुकड़ा, सलामी, गतविकास,गतभाव एवं कवित्त।

शास्त्रीय नृत्य (कथक)
बी.ए.प्रथम वर्ष–द्वितीय प्रश्न–पत्र

इकाई–प्रथम

प्राचीन संगीत ग्रंथ में ''लय'' की अवधारणा लय के विभिन्न प्रकार विलम्बित लय, मध्य लय एवं द्रुत लय, विभिन्न लयकारियां–पौनगुन,ठाह, सवागुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़,बिआड़।

इकाई– द्वितीय

ताल–भूमिका,दशप्राण,उत्तर भारतीय व दक्षिण भारतीय ताल पद्धतियों का ज्ञान व तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–तृतीय

विष्णु दिगम्बर पलुस्कर और विष्णुनारायण भात खण्डे का जीवन परिचय, उत्तर भारतीय ताल पद्धति के अंतर्गत भातखण्डे व पलुस्करताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन और उनमें बंदिशें लिपिबद्ध करना।

इकाई–चतुर्थ

कथक नृत्य में लय–ताल का विकास और महत्व और महत्व, दर्जा, क्रमलय, दुपल्ली, त्रिपल्ली और चौपल्ली का परिचय।

इकाई–पंचम

शुद्ध कथक नृत्य के अंतर्गत तीन ताल की विभिन्नलयों में बंदिशें लिपिबद्ध करना, मालदादरा एवं कहरवा का परिचय और उनमें बोल–बंदिशें लिपिबद्ध करना।

प्रायोगिक प्रश्न–पत्र
कथक नृत्य

1. ताल त्रिताल में शुद्ध कथक नृत्य का प्रदर्शन। दादरा व कहरवातालों का प्रदर्शन बंदिशें व उनकी पढन्त।
2. चक्कर के विभिन्न प्रकार। लयबाँट व क्रमलय प्रदर्शन एवं पढ़न्त ठेके और लहरे पर प्रदर्शन।
3. दर्जा, दुपल्ली, तिपल्ली, चौपल्ली का प्रदर्शन।
4. तीनताल के लहरे का विभिन्न रागों में अभ्यास।
5. श्लोकार्थ सहित गुरू वन्दना का प्रस्तुतिकरण।